ISSN 2454-2725
Peer Reviewed Journal

98-99

जून-जुलाई 2023 (सयुंक्त अंक)

अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका

जनकृति

www.jankriti.com

IPI Value (2.65)

संपादक: डॉ. कुमार गौरव मिश्रा

जनकृति

अंतरानुशासनिक पूर्व- समीक्षित द्विभाषी अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका

वर्ष 9, अंक 98-99 **जून-जुलाई 2023**

परामर्श मंडल

डॉ. सुधा ओम ढींगरा, प्रो. करुणाशंकर उपाध्याय, प्रो. रमा, डॉ. हरीश नवल, प्रो. हरीश अरोड़ा, डॉ. प्रेम जन्मेजय, डॉ. कैलाश कुमार मिश्रा, प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा, प्रो. कपिल कुमार, प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव प्रो. रत्नेश विश्वक्सेन

संपादक

डॉ. कुमार गौरव मिश्रा
(सहायक प्रोफ़ेसर, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, बिहार)

सहायक संपादक

प्रो. पुनीत बिसारिया
(प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश)

संपादन मण्डल/विशेषज्ञ समिति

डॉ. सदानन्द काशीनाथ भोसले (प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ , महाराष्ट्र)
डॉ. दीपेन्द्र सिंह जाड़ेजा (प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, महाराजा सयाजीराव बड़ौदा विश्वविद्यालय, वड़ोदरा)
डॉ. नाम देव (प्रोफ़ेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. प्रज्ञा (प्रोफ़ेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. रचना सिंह (एसोसिएट प्रोफ़ेसर, हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. रूपा सिंह (एसोसिएट प्रोफ़ेसर, बाबु शोभा राम गोवेरमेंट आर्ट कॉलेज, राजस्थान)
डॉ. पल्लवी (सहायक प्रोफ़ेसर, तेजपूर विश्वविद्यालय, असम)
डॉ. मोहसिन खान (प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, जेएसएम कॉलेज, रायगढ़, महाराष्ट्र)
डॉ. अखिलेश कुमार शर्मा (सहायक प्रोफ़ेसर, मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम)
डॉ. प्रवीण कुमार (सहायक प्रोफ़ेसर, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश)
डॉ. मुन्ना कुमार पाण्डेय (एसोसिएट प्रोफ़ेसर, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. चंद्रेश कुमार छतलानी (सहायक प्रोफ़ेसर, जेआरएन राजस्थान विद्यापीठ, राजस्थान)
डॉ. अंबिकेश त्रिपाठी (सहायक प्रोफ़ेसर, गांधी एवं शांति विभाग, महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
डॉ. ज्ञान प्रकाश (सहायक प्रोफ़ेसर, बिहार)

संपादन सहयोग

डॉ. चन्दन कुमार (दिल्ली)
डॉ. राकेश कुमार (दिल्ली)

संस्थापक सदस्य

कविता सिंह चौहान (मुंबई)
डॉ. जैनेन्द्र कुमार (बिहार)

अंतरराष्ट्रीय सदस्य

प्रो. अरुण प्रकाश मिश्रा (स्लोवेनिया), डॉ. इंदु चंद्रा (फ़िजी), डॉ. सोनिया तनेजा (स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी), डॉ. अनिता कपूर (अमेरिका), राकेश माथुर (लंदन), रिद्मा (श्री लंका), मीना चोपड़ा (कैनेडा), पूजा अनिल (स्पेन)

जनकृति अव्यवसायिक
जून-जुलाई 2023 (सयुंक्त अंक) अंक 98-99, वर्ष 9

सहयोग राशि : 60 रुपये (वर्तमान अंक)
150 रुपये (संस्थागत)

व्यक्तिगत सदस्यता : 800 रुपये (वार्षिक)
3000 रुपये (पंचवर्षीय)
5000 रुपये (आजीवन)

संस्थागत सदस्यता : 1200 रुपये (वार्षिक)
6000 रुपये (पंचवर्षीय)
10000 रुपये (आजीवन)

(डिजिटल प्रति सदस्यता)

बैंक खाता विवरण : Account holder's name- Kumar Gaurav Mishra
Bank name - Punjab National Bank
Account type – saving account
Account no. 7277000400001574
IFSC code- PUNB0727700

पत्र व्यवहार : फ्लैट- 401, वृंदावन अपार्टमेंट
फजलगंज, मंगलम होटल, ओल्ड जीटी रोड़, सासाराम, रोहतास, बिहार
पिन कोड: 821115, संपर्क- +918805408656

नोट : प्रकाशित रचनाओं से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।
सम्पादन पूर्णतः अवैतनिक है।

ध्यानार्थ : अकादमिक क्षेत्र में शोध की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप जनकृति में शोध आलेख प्रकाशित किए जाते हैं। शोध आलेखों का चयन विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, जो विषय की नवीनता, मौलिकता, तथ्य इत्यादि के आधार पर चयन करते हैं। इसके अतिरिक्त पत्रिका में साहित्यिक रचनाएँ, वैचारिक लेख, साक्षात्कार एवं पुस्तक समीक्षा भी प्रकाशित होती है। जनकृति के माध्यम से हम सृजनात्मक, वैचारिक वातावरण के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है।

JANKRITI
Interdisciplinary Peer-Reviewed Bilingual International Monthly Magazine
Editor: Dr. Kumar Gaurav Mishra
Language: Bilingual (Hindi & English)
Publisher: JANKRITI
ISSN: 2454-2725
Website: www.jankriti.com
Email: jankritipatrika@gmail.com

संपादकीय

आप सभी पाठकों के समक्ष जनकृति का जून-जुलाई 2023 सयुंक्त अंक प्रस्तुत है। इस अंक में आप साहित्य, कला, इतिहास, संस्कृति इत्यादि क्षेत्रों के महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित शोध आलेख, लेख पढ़ सकते हैं। इसके अतिरिक्त अंक में आप साहित्यिक रचनाएँ भी पढ़ सकते हैं।

जनकृति एक बहु-विषयक अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका है। यह पूर्ण रूप से विमर्श केन्द्रित पत्रिका है, जहां आप विभिन्न अनुशासन के नवीन विषयों को एकसाथ पढ़ सकते हैं। पत्रिका में एक ओर जहां साहित्य की विविध विधाओं में रचनाएँ प्रकाशित की जाती है वहीं नवीन विषयों पर लेख, शोध आलेख प्रकाशित किए जाते हैं। अकादमिक क्षेत्र में शोध की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शोध आलेख प्रकाशित किए जाते हैं। शोध आलेखों का चयन विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, जो विषय की नवीनता, मौलिकता, तथ्य इत्यादि के आधार पर चयन करते हैं। जनकृति के माध्यम से हम सृजनात्मक, वैचारिक वातावरण के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है।

- **डॉ. कुमार गौरव मिश्रा**

जनकृति

अंतरानुशासनिक पूर्व- समीक्षित द्विभाषी अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका

वर्ष 9, अंक 98-98 **जून-जुलाई 2023**

अनुक्रम

संपादकीय 4

कला-विमर्श

यौन शोषण एवं बलात्कार की शिकार नारी: हिंदी महिला नाट्य लेखन के विशेष संदर्भ में / देवानंद यादव 8

महाराष्ट्र का प्रसिद्ध लोकनाट्य : 'तमाशा'/ डॉ. योगेश कोरटकर 17

Kathak - Origin and progress of Gharana / Dr. Preeti Damle 22

दलित एवं आदिवासी -विमर्श

अरुणाचल की सिंहफो जनजाति / वीरेन्द्र परमार 26

स्त्री-विमर्श

'सुमंगली' कहानी में दलित स्त्री दशा का अंकन: नारीवादी दृष्टि से / मिनाली गुप्ता 34

किन्नर-विमर्श

समकालीन हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त किन्नर संघर्ष / रामेश्वर महादेव वाढेकर 44

दरमियानों का जीवन और हिंदी उपन्यास / चुन्नू कुमार 53

मीडिया-विमर्श

उत्तराखण्ड में जनसंचार की पहुंच / राजेन्द्र सिंह क्वीरा 62

भाषिक-विमर्श

भूमंडलीकरण और हिंदी / डॉ. मीनाक्षी 68

वैश्विक स्तर पर हिंदी /डॉ. प्रतिभा राजहंस 74

इतिहास

इतिहास की पाठ्यपुस्तकें, विवाद और इनमें इतिहासकारों की भूमिका/ सीमा शुक्ला ओझा 83

समसामयिक- विमर्श

श्रीमद्भगवद्गीता द्वारा नकारात्मक भावनाओं का यौगिक प्रबंधन – एक संक्षिप्त चर्चा/ रिद्धि अग्रवाल, डॉo अजय पाल 97

रूरल अर्बन डिज़िटल डिवाइड / वंदना गुप्ता 106

साहित्यिक-विमर्श

समकालीन हिंदी ग़ज़ल में पर्यावरणीय चेतना / विनीत कुमार यादव, डॉ. क्षमा मिश्रा 115
समकालीन हिंदी कविता : अभिव्यक्ति पर संकट की पहचान / प्रतिभा द्विवेदी 123
सकारात्मक बदलावों की संवेदनशील कथाकार सूर्यबाला / शैलेंद्र कुमार सिंह 130
रेखाचित्र-स्वरूप और विश्लेषण (महादेवी वर्मा का रेखाचित्र साहित्य)/ मनोज शर्मा 140
बड़े भाई साहब : बड़प्पन की कृत्रिमता से मुक्ति / डॉ. नवाब सिंह 148
तेभ्यः स्वधा के आईने में विभाजन की त्रासदी से उपजी स्त्रियों की पीड़ा / प्रणय प्रकाश 159
तीसरा क्षण'- काव्य दृष्टि और रचना -प्रक्रिया / सूर्य प्रकाश त्रिपाठी 166
ताड़का वध : 'सभ्य' समाज की संवेदनहीनता पर प्रहार / डॉ.उमा मीणा 173
खुम्माण रासो में प्रयुक्त कथानक रूढ़ियाँ / ख़ुशबू 183
साहित्य इतिहास के परिप्रेक्ष्य में आचार्य रामचंद्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि/ रत्नेश कुमार तिवारी 193
तुलसी के राम जी का विजय रथ / डॉ. सुधा देवी दीक्षित 202
डॉ० रमेश पोखरियाल निशंक के 'अंतहीन' कहानी संग्रह मे स्त्री का दाम्पत्य जीवन / रजनी रानी 210
आदिवासी हिन्दी कविता में आदिवासी समाज की संस्कृति का स्वरूप और महत्व / डॉ. अनीश कुमार 219
ओमप्रकाश वाल्मीकि की कहानियों में भाषिक प्रयोग / मनीष साहू 232
ओमप्रकाश वाल्मीकि की कहानियों में चित्रित दलित जीवन का यथार्थ / सतवंत कौर 240
'आवाज़ें' कहानी में अभिव्यक्त दलित चेतना का विश्लेषण/ कौशलेंद्र कुमार 249
सांप्रदायिकता और हिन्दी उपन्यासों मे उसका संदर्भ 'तमस' के परिप्रेक्ष्य में/ आलोक कुमार 257

संस्कृति

दीनदयाल उपाध्याय एवं एकात्म-मानववाद/ विकास यादव 270
लोक संस्कृति में लोक कथाओं का रूप / प्रो. शमा खान 278

आलेख

व्यंग्य का अनूठा उदाहरण : प्रेमचंद के फटे जूते / भोला नाथ सिंह 283

साहित्यिक रचनाएँ

कविता

धर्मपाल महेंद्र जैन 288

कहानी

फ्रांसीसी कहानी का अनुवाद- 'मौन लोग', मूल कहानी : अल्बेयर कामू,/अनुवादक:: सुशांत सुप्रिय 291

पुस्तक समीक्षा

भारतीय समाज का अनदेखा सच : महाब्राह्मण / डॉ कुमारी उर्वशी 307

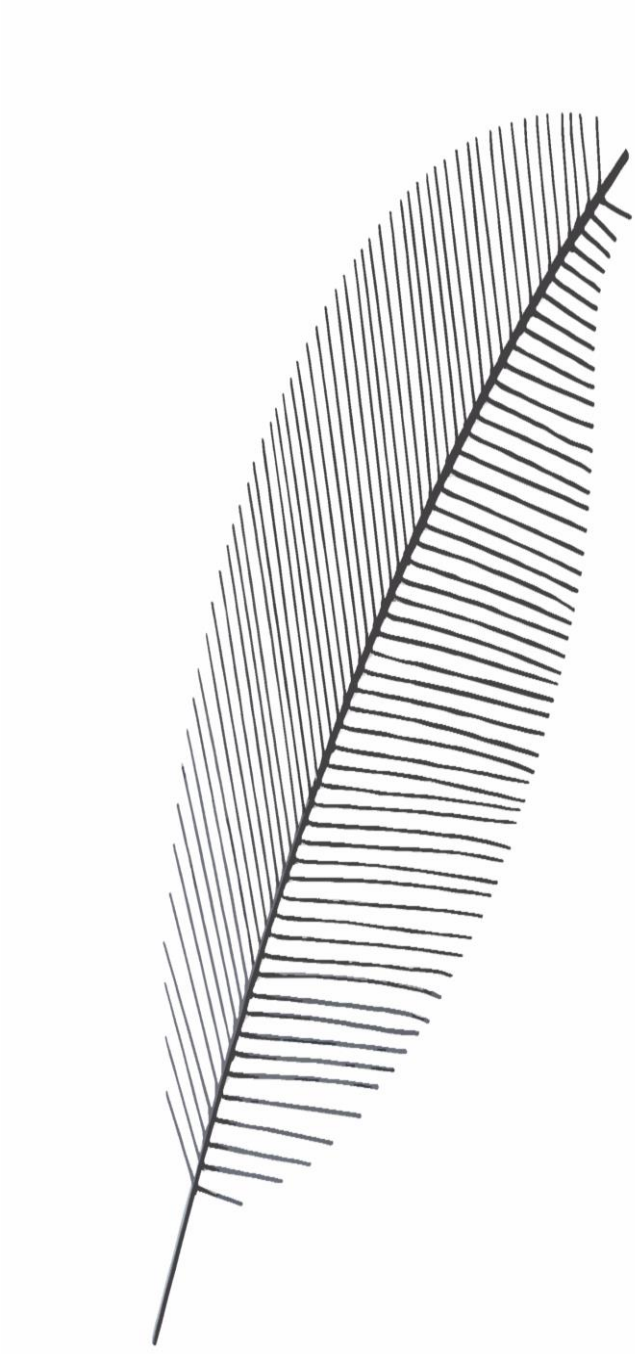

यौन शोषण एवं बलात्कार की शिकार नारी: हिंदी महिला नाट्य लेखन के विशेष संदर्भ में

देवानंद यादव
शोधार्थी, हिंदी विभाग
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक म.प्र.
मो.नं.- 9623690981
ईमेल- yadavhindi1@gmail.com

सारांश

पुरुष की कुत्सित काम वासना का शिकार स्त्रियाँ होती रही है। पहले घर के बाहर स्त्रियाँ असुरक्षित थी परंतु वर्तमान में घर के अंदर भी वे खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करती है। उसके अपने ही घर के परिवार के सदस्यों द्वारा ही उसका यौन उत्पीड़न एवं बलात्कार किया जाता है। यह समस्या आधुनिक हिंदी साहित्य में एक नई समस्या को दर्शाता है। साहित्य के क्षेत्र में जब से स्त्री विमर्श का जन्म हुआ है। तब से स्त्रियों ने रचनाएं लिखना आरंभ किया है। उसके अंदर उन्होंने अपनी स्वयं की अनुभूतियों के आधार पर स्त्रियों की समस्याओं को वाणी दी है। यही अभिव्यक्ति मीरा कांत के नाटक 'अंत हाजिर हो', विभा रानी के नाटक 'अगले जनम मोहे बिटिया न कीजो', मधु धवन के नाटक 'भारत कहां जा रहा है', नादिरा जहीर बब्बर के नाटक 'सकुबाई', 'जी जैसी आपकी मर्जी' नाटक में देखने को मिलता है। इसमें स्त्री विमर्श के माध्यम से नाटककार स्त्रियों के ऊपर हो रहे यौन शोषण और उत्पीड़न की समस्या को दिखाना एवं समाज को जागरुक करना लेखिका का उद्देश्य है।

बीज शब्द: *हिंदी, महिला, नाट्य, लेखन , शोषण, बलात्कार*

शोध आलेख

भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के अनुसार बलात्कार एक दंडनीय अपराध है। जिसमें अपराधी को आजीवन कारावास की सजा भी हो सकती है। इस धारा के अनुसार कोई पुरुष किसी स्त्री को उसकी इच्छा के विरुद्ध मृत्यु का भय दिखाकर संभोग करता है तो उसे बलात्कार माना जाता है। बलात्कार की समस्या सभी समाज में पाई जाती है किंतु भारत की तुलना में पाश्चात्य देशों में ऐसी घटनाएं अधिक देखने को मिलती है। जिन महिलाओं के साथ बलात्कार होते हैं वह अधिकांशतः घटना को भुला देना चाहती है। अपना मेडिकल मुआयना करवाना एवं पुलिस व न्यायालय द्वारा जांच करवाना नहीं चाहती। क्योंकि क़ानूनी प्रक्रिया काफी